INDIA NON JUDICIAL

२000रु. Rs 2000

सत्यमेव जयते

भारत

दो हजार रूपये TWO THOUSAND RUPEES

52

हम कि बुद्धसैन पुत्र दुर्जन सिंह व ओमवीर पुत्र मिट्ठन सिंह निवासी ग्राम भीकमपुर परगना व तहसील कोल जिला अलीगढ के हैं जो कि भूमिधरी रकबई एकबीघा पन्द्रह बिस्वा दो बिस्वांसी खुस्रा नम्बरी दो ब ख लगानी 10/= दस रूपया वार्षिक स्थित ग्राम भीकमपुर परगना व तहसील कोल जिला अलीगढ मटियार के हम मुकिरान मालिक व काबिज है और वह कुर्क वगैरह व मुन्तकिल नहीं है आज की तारीख तक हर प्रकार के विवादव ऋणादि भारबन्धन से नितान्त मुक्त व साफ है कोई और साझी सम्बन्धी तथा भागीदार नहीं है । हम मुकिरान को सर्वाधिकार उपरोक्त भूमिधरी के हस्तान्तरण के प्राप्त है कोई राज्य नियम किसी प्रकार और किसी रूप में बाधक नहीं है हम मुकिरान को मकान बनाने के लिये व रोजगार के लिये व अपने बच्चों की शादी विवाह व घरेलू खर्च के लिये रूपये की अत्यन्त आवश्यकता है इस समय मूल्य बाजारी मिल रहा है अतः अपनी सुबुद्धि तथा स्वेच्छा से बिना किसी विवशता के अपनी उपरोक्त कुल भूमिधरी को अपने सम्पूर्ण अधिकार सहित 14500/= चौदह हजार पांच सौ रूपया में श्री दर्शन आयल मि. लि. उदय सिंह जैन रोड अलीगढ बैक्षम में द्वारा श्री दलजीत सिंह पुत्र श्री ईश्वर सिंह निवासी सराय नवाब अलीगढ विक्रय कर दोखील कब्जा दे

पुस्तक ...... उजरत रु० ...... योग ...... शब्द लगभग

201/- 6/- 207/-

श्री ...... पुत्र ......

निवासी ......

ने कार्यालय सब रजिस्ट्रार अलीगढ़

में आज दिनांक 16/1/84 समय

समय ...... बजे दिन प्रस्तुत

किया।

Awasthi
ह०र० 16/1/84

इस लेखपत्र की तहरीर व

तकमील से व कुल अमूलगाती

रु० ...... 14500/-

से किसे रु० ...... 14500/-

मेरे समक्ष नकद प्राप्त करके

रवत श्री ......

विक्रेता निवासित श्री ...... सिंह

पुत्र श्री ...... सिंह

निवासी ...... ह० ब० तोल

प० व ह० तोल अलीगढ़

Awasthi
16/1/84

Awasthi
16/1/84

—13

5/

किया और उपरोक्त कुल मुल्यधन क्रेता से निम्न प्रकार प्राप्त कर लिया आजकी तारीख से क्रेता स्थाई स्वामी व पूर्ण अधिकारी विक्रीत सम्पत्ति का हो गया और वह हमारा नाम कागजात सरकारी से खारिज कराकर अपना नाम दर्ज करा ले अब कोई सम्बन्ध या अधिकार किसी भी प्रकार का हमारा विक्रीत सम्पत्ति में शेष नहीं रहा और न भविष्य में होगा । यदि किसी दावेदारी या स्वामित्व दोष के कारण या कानूनी दोष के कारण या अन्य कारण से विक्रीत सम्पत्ति कुल या उसका कोई भाग क्रेता के स्वत्व व अधिकार से निकल जाय या उस पर कोई विवाद या भार बन्धन किसी प्रकार का पाया जाय और विक्रीत सम्पत्ति की रक्षा के हेतु क्रेता को रुपया अदा या खर्च करना पड़े तो क्रेता उपरोक्त मूल्य कुल या जुज मय हर्जा व खर्चा वगैरह आदि एक रुपया प्रतिशत मासिक ब्याज सहित हमसे व हमारी चल व अचल सम्पत्ति से व हमारे उत्तराधिकारियों से प्राप्त करले हमको कोई उज्र न होगा । स्टाम्प सरकारी निर्धारित रेट से 19000/= रुपया पर दिया है । अतः यह विक्रय पत्र लिख दिया कि प्रमाण रहे और समय पर काम आवे । प्राप्त मूल्य का विवरण :-

1= सब रजिस्टार साहब के सामने पाये 14500/= चौदह हजार पांच सौ रुपया

तहरीर तारीख 16 जनवरी सन 1984 ई0

दस्तावेज- श्रीनिवास कातिब कची अलीगढ

टंकणकर्ता- असीमकुमार

31-3-84

बही नं० १ जि० 1940 के पृष्ठ 385/386 पर क्र० 45
पर आज दि० 27/11/04 रजि० की गई

INDIA NON JUDICIAL

२०००रु.

Rs 2000

सत्यमेव जयते

भारत

दो हजार रूपये TWO THOUSAND RUPEES

मैं कि बुद्धसैन पुत्र दुर्जन सिंह निवासी ग्राम भीकमपुर परगना व तहसील कोल जिला अलीगढ़ का हूँ। जो कि भूमिधरी रकबई तीन बीघा दो बिस्वा अठारह बिस्वांसी नम्बरी 2 अ क लगानी करीब 25/= रूपया वार्षिक स्थित ग्राम भीकम पुर परगना व तहसील कोल जिला अलीगढ़ मजियार का एक मात्र स्वामी व पूर्ण अधिकारी हूँ और वक्फ व बेरवार व मुन्तकिल नहीं है आज की तारीख तक हर प्रकार के विवाद व ऋणादि भार बन्धन से मिला [illegible] नहीं है मुझको सर्वाधिकार उपरोक्त भूमिधरी के हस्तान्तरण के प्राप्त हैं कोई राज्य नियम किसी प्रकार और किसी रूप में बाधक नहीं है मुझको मकान बनाने के लिये व शादी व घरेलू खर्च के लिये रुपये की आवश्यकता है इस समय मूल्य बाजारी मिल रहा है अतः अपनी सुबुद्धि तथा स्वेच्छा से बिना किसी विवशता के अपनी उपरोक्त कुल भूमिधरी को अपने सम्पूर्ण अधिकार सहित 24500/-

बैनामा
कार्ड 33320

शुल्क 251/- उजरत मु० 6/- योग 257/- शब्द लगभग 600

कुन्दन सैन पुत्र कुंजल सिंह

निवासी गोविन्दपुर अलीगढ़

ने कार्यालय सब रजिस्ट्रार अलीगढ़

में आज दिनांक 16/11/84 समय

मध्य 4/- बजे दिन बैनामा पेश

किया।

कुन्दन सैन

Awasthi
सब रजिस्ट्रार
16/11/84

लेखपत्र की तहरीर व

... से व कुल बयनामा

24500/-

से कि जिसके मु० 24500/-

मेरे समक्ष नकद प्राप्त करके

उक्त श्री कुन्दन सैन ने स्वीकार किया

जिनकी शिनाख्त श्री महेन्द्र सिंह

पुत्र श्री रामसिंह पेशा

निवासी फूलपुर ...

और ... श्री राजपाल सिंह पुत्र श्री रेवती सिंह

पेशा ... निवासी ... अलीगढ़

ए० ... अलीगढ़

Awasthi
16/11/84

कुन्दन सैन

महेन्द्र सिंह

राजपाल शर्मा

... अनुसार ...
... अंकित है

Awasthi
16/11/84

INDIA NON JUDICIAL

७५० रु. Rs 750

सत्यमेव जयते

भारत

सात सौ पचास रुपये SEVEN HUNDRED & FIFTY RUPEES

चौबीस हजार पाँच सौ रुपया में श्री दर्शनिआयल मा. सि. उदयसिंह जैन रोड अलीगढ़ के पक्ष में द्वारा श्री दलजीत सिंह पुत्र श्री ईश्वर सिंह निवासी बराय मकान अलीगढ़ के पक्ष में विक्रय कर दी और कब्जा दे दिया और उक्त कुल दखलपान क्रेता के निम्नप्रकार प्राप्त करा दिया आज की तारीख से क्रेता स्थाई स्वामी व पूर्ण अधिकारी विक्रीत सम्पत्ति का होगया और क्रेता मेरा नाम कागजात सरकारीसे खारिज कराकर अपना नाम दर्ज कराले अब कोई सम्बन्ध या अधिकार किसी भी प्रकार का मेरा विक्रीत सम्पत्ति में शेष नहीं रहा और न भविष्य में होगा यदि किसी कार्यवाही या स्वामित्व दोष के कारण या कानूनी दोष या अन्य कारण से विक्रीत सम्पत्ति कुल या कुछ क्रेता के स्वत्व व अधिकार से निकल जाय या उस पर कोई विवाद या भार बन्धन किसी प्रकार का पाया जाय और विक्रीत सम्पत्ति की रक्षा के हेतु

[illegible]

[illegible]

Maheshwa

ANGARH

क्रेता को रुपया अदा या खर्च करना पड़े तो क्रेता उपरोक्त मूल्य कुल या जुज

मय हर्जा व खर्चा व लागत आदि 1/= रुपया प्रतिशत मासिक ब्याजसहित

मुझसे और मेरी चलव अचल सम्पत्ति से और मेरे उत्तराधिकारियों से प्राप्त

करले मुझको कोई उज्र न होगा । अतः यह विक्रय पत्र लिख दिया कि प्रमाण

रहे और समय पर काम आवे ।

৩৩) [illegible]

[illegible]
২৩.২১.৯৩

V. K. Maheshwari
Civil Court [illegible]

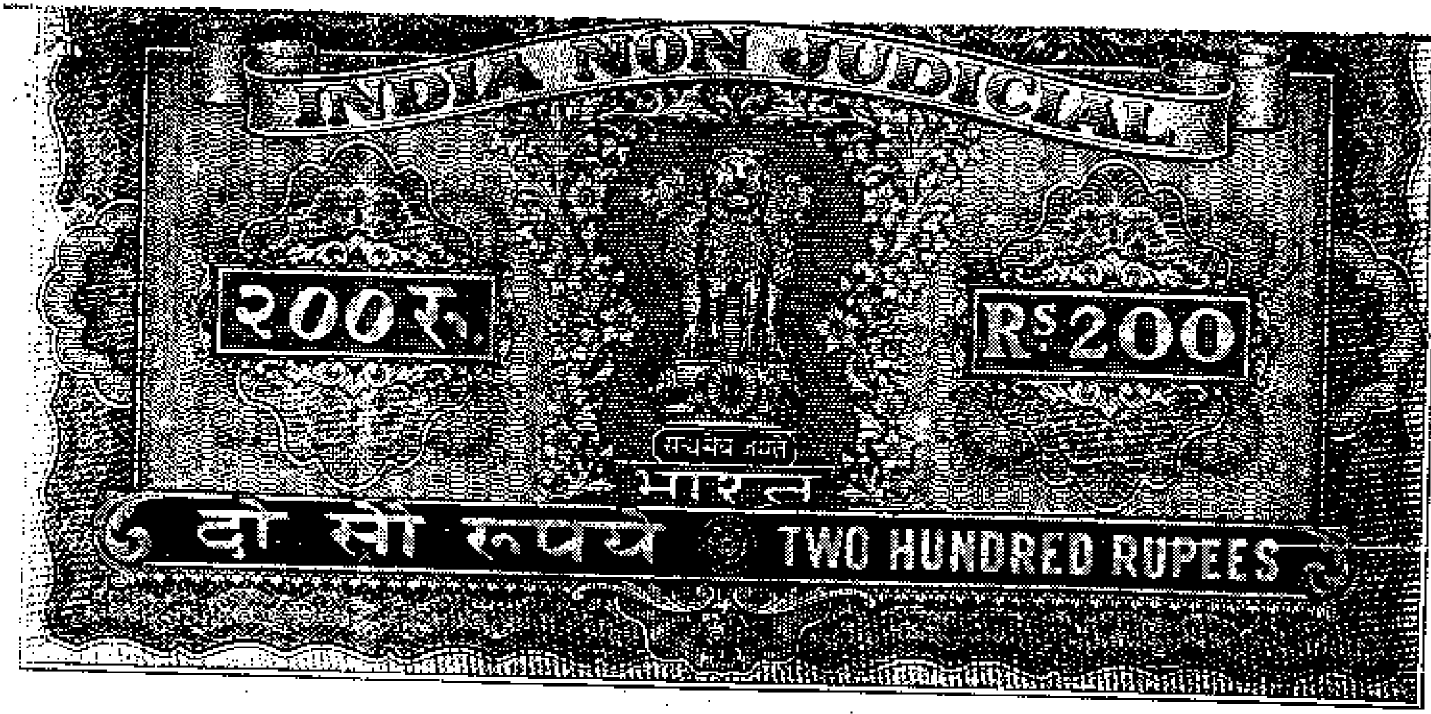

॥4॥

तेंतीस हजार तीन सौ बीस

स्टाम्प 33320/= रुपया को मालियत पर दिया है ।

पन्ना ४ की पहली पंक्ति में तेंतीस हजार तीन सौ [illegible] शब्द [illegible]

[illegible]

602

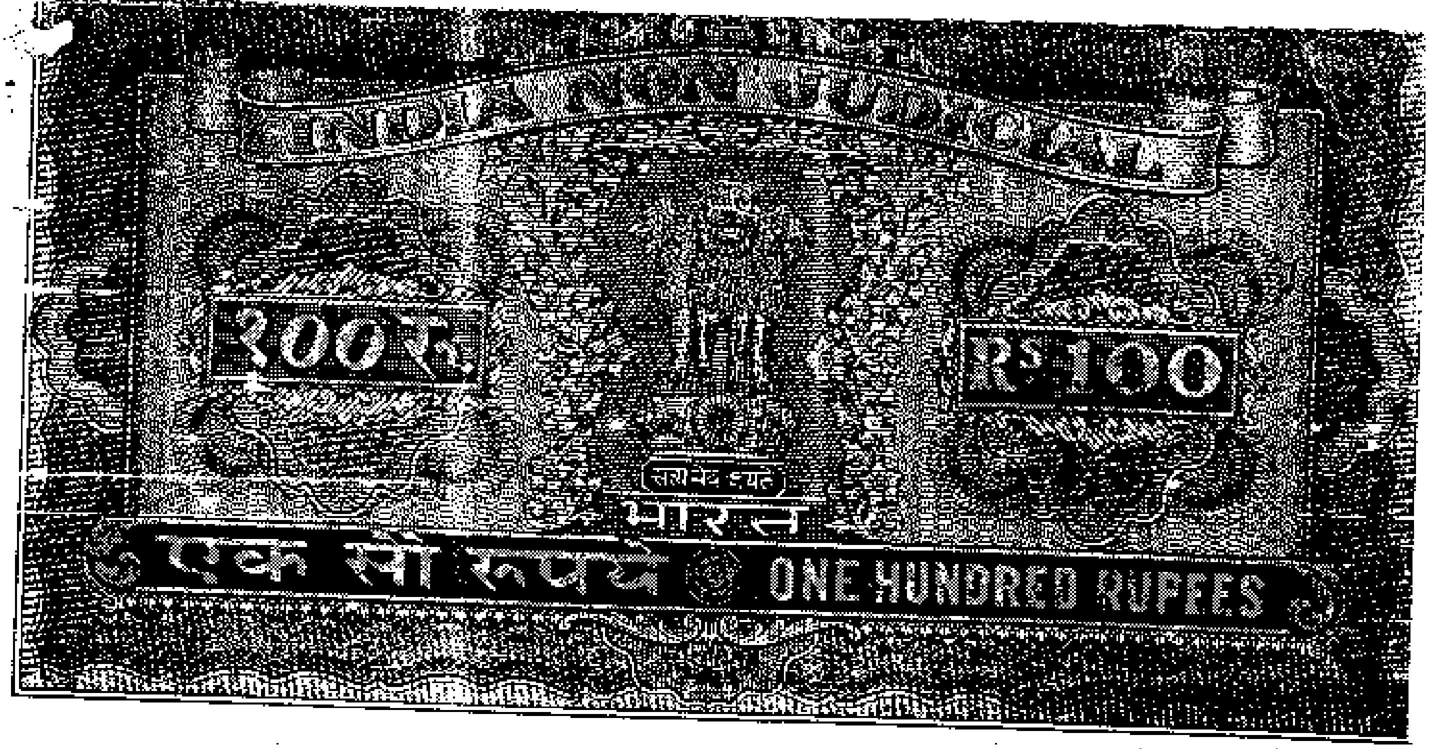

(5)

सब रजिस्टार साहब के सामने पाये 24500/= चौबीस हजार पांच सौ

रुपया ।

[illegible] ६०३ [illegible]

[illegible]

२६-१-८४

सत्यमेव जयते
भारत
INDIA
७५रु. SEVENTY FIVE RUPEES 75RS

यह विक्रय पत्र सात किता स्टाम्पर पर तहरीर हुआ है ।

(5) [illegible]

[illegible]

[illegible]

94 **50 Rs.**

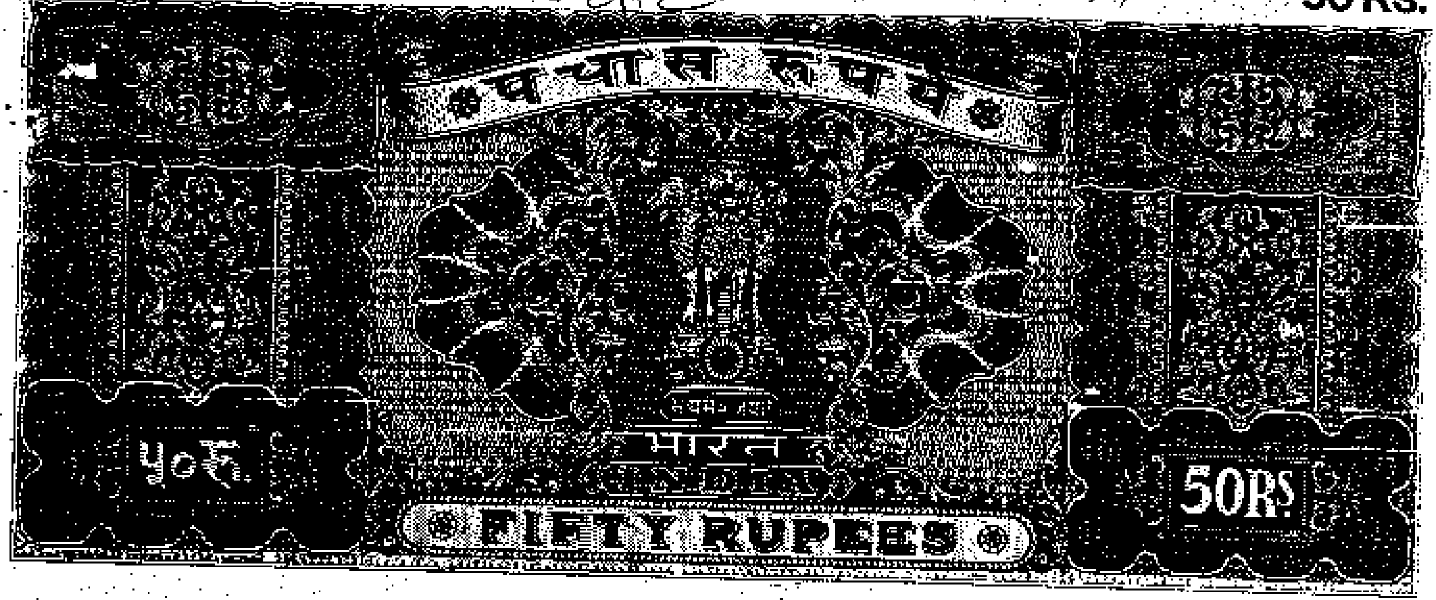

1

किसी भूमि नम्बर मालिक की सीमा से बाहर है

संख्या 703 दिनांक 16-1-84

कीमत स्टाम्प 20/-

नाम क्रेता श्री [illegible]

पुत्र/पत्नी श्री

निवासी [illegible]

40 Rs.

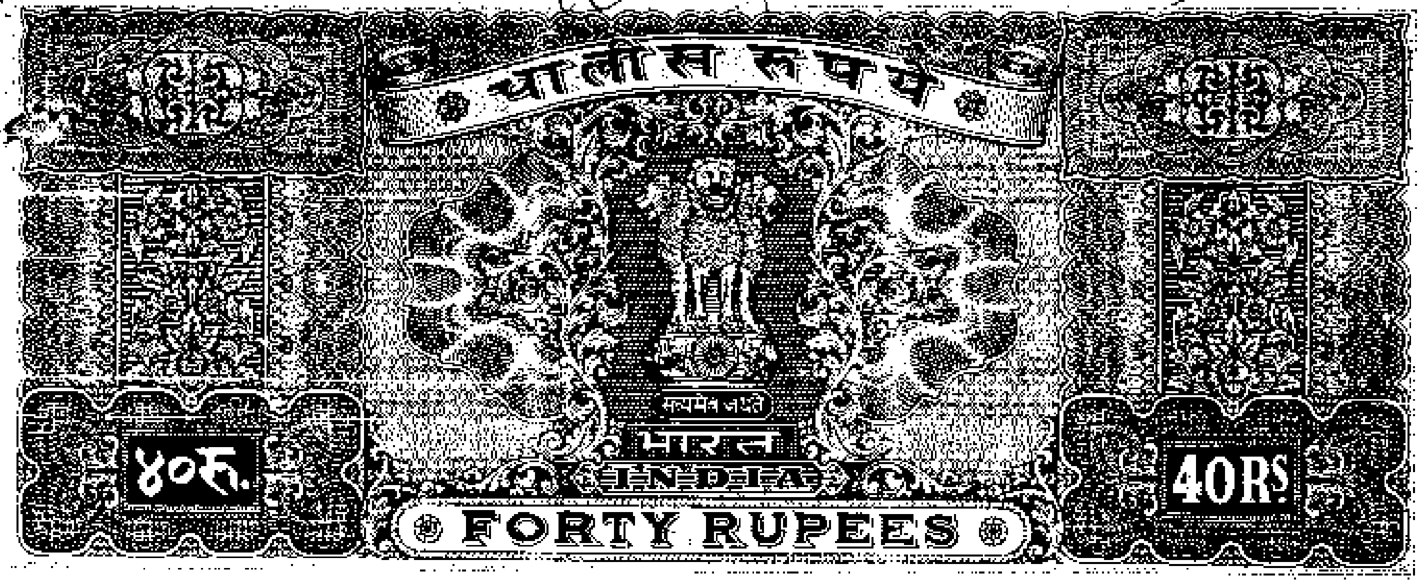

(8)

तहरीर तारीख 16 जनवरी सन 1984 ई0

ड्राफ्टकार्- श्रीनिवास कातिब जजी अलीगढ

टंकणकर्ता- अशोककुमार

40) गवाह [illegible] [illegible]

[illegible]

[illegible]

बही 1 जिल्द 1948 के पृष्ठ 207/208 में
नं-456 पर आज दि० 27-1-84 रजिस्ट्री
की गई।

[illegible]